मंगलवार, 7 अप्रैल, 2026

www.tvbharatvarsh.in

E-PAPER

कुल पृष्ठ–08

MMA फाइट जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बने

Page-04

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

जज बने वीडी त्यागी का दमदार अंदाज़ लेकिन बिखरी कहानी ने कम किया असर

Page-05

केरल चुनाव 2026:

ओपिनियन पोल में UDF को बढ़त LDF से कांटे की टक्कर

- **ओपिनियन पोल में UDF को हल्की बढ़त, लेकिन LDF के साथ कड़ा मुकाबला तय।**
- **क्षेत्रवार आंकड़ों में अलग-अलग रुझान, जिससे चुनाव परिणाम बेहद रोमांचक होने की संभावना।**

केरल में विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर राजनीतिक सरगर्मियां अपने चरम पर पहुंच गई हैं। राज्य की सभी 140 सीटों पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। चुनाव से ठीक पहले सभी प्रमुख दलों ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है और मतदाताओं को लुभाने की पूरी कोशिश की जा रही है।इस बीच MATRIZE का ताजा ओपिनियन पोल सामने आया है, जिसने मुकाबले को बेहद दिलचस्प बना दिया है। सर्वे के मुताबिक, इस बार यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (UDF) को बढ़त मिलती दिखाई दे रही है और उसे 67 से 73 सीटें मिल सकती हैं। वहीं लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (LDF) को 62 से 68 सीटों का अनुमान है, जिससे साफ है कि दोनों गठबंधनों के बीच कांटे की टक्कर होने वाली है। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (NDA) को 5 से 8 सीटें मिलने की संभावना है, जबकि अन्य दलों के खाते में 0 से 3 सीटें जा सकती हैं।वोट शेयर की बात करें तो UDF को लगभग 42 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है, जबकि LDF को 39 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। NDA को करीब 15 प्रतिशत और अन्य को 4 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना जताई गई है।क्षेत्रवार विश्लेषण में भी दिलचस्प तस्वीर सामने आई है। मालाबार क्षेत्र की 48 सीटों में UDF को 25-27 और LDF को 20-22 सीटें मिल सकती हैं। सेंट्रल केरल की 44 सीटों में UDF को 23-25 और LDF को 19-21 सीटों का अनुमान है। वहीं साउथ केरल की 48 सीटों में LDF को 23-26 सीटें मिल सकती हैं, जबकि UDF को 20-23 सीटों पर बढ़त मिलने के आसार हैं।राज्य में इस बार करीब 2.7 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का इस्तेमाल करेंगे। इनमें 1.31 करोड़ पुरुष, 1.38 करोड़ महिलाएं और 227 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 23 मई 2026 को समाप्त हो रहा है, ऐसे में यह चुनाव सत्ता परिवर्तन या निरंतरता दोनों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है।

TMC और BJP में कांटे की टक्कर, ओपिनियन पोल ने बढ़ाई सियासी हलचल

इस साल देश के पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं, जिनमें पश्चिम बंगाल और असम के चुनावों पर पूरे देश की नजर टिकी हुई है। चुनावी माहौल के बीच MATRIZE का ताजा ओपिनियन पोल सामने आया है, जिसने सियासी हलचल को और तेज कर दिया है।सर्वे के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस को 43 प्रतिशत वोट मिलने की संभावना है, जबकि भारतीय जनता पार्टी को 42 प्रतिशत वोट मिल सकते हैं। वहीं अन्य दलों को करीब 16 प्रतिशत वोट मिलने का अनुमान है। ये आंकड़े साफ संकेत देते हैं कि इस बार मुकाबला बेहद करीबी होने वाला है।सीटों के लिहाज से देखें तो बंगाल की 294 विधानसभा सीटों पर कड़ा संघर्ष देखने को मिल सकता है। ओपिनियन पोल के अनुसार, TMC को 140 से 160 सीटें मिल सकती हैं, जबकि BJP को 130 से 150 सीटों का अनुमान है। अन्य दलों के खाते में 8 से 16 सीटें जा सकती हैं। बता दें कि बहुमत के लिए 148 सीटों का आंकड़ा जरूरी है, ऐसे में कोई भी छोटी बढ़त सरकार बनाने में निर्णायक साबित हो सकती है। इस बार बंगाल की राजनीति में नया मोड़ भी देखने को मिल रहा है। TMC से अलग होकर हुमायूं कबीर ने अपनी नई पार्टी "आम जनता उन्नयन पार्टी" बनाई है। उन्होंने AIMIM के साथ गठबंधन किया है। यह गठबंधन खासतौर पर मुस्लिम बहुल सीटों पर TMC के लिए चुनौती बन सकता है।

असम चुनाव 2026: BJP+ को स्पष्ट बढ़त वापसी के संकेत

असम विधानसभा चुनाव 2026 को लेकर सामने आए फाइनल ओपिनियन पोल में भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाले गठबंधन (BJP+) के लिए अच्छी खबर दिखाई दे रही है। MATRIZE और चाणक्य के सर्वे के अनुसार, राज्य में BJP+ मजबूत स्थिति में नजर आ रहा है और उसके दोबारा सत्ता में आने की संभावना काफी ज्यादा है।ओपिनियन पोल के मुताबिक, BJP+ को इस चुनाव में 92 से 102 सीटें मिल सकती हैं, जो बहुमत के आंकड़े के आसपास या उससे ऊपर हो सकती हैं। वहीं कांग्रेस के नेतृत्व वाले गठबंधन (कांग्रेस+) को 22 से 32 सीटें मिलने का अनुमान है। इसके अलावा अन्य दलों के खाते में 4 से 7 सीटें जा सकती हैं।सर्वे के आंकड़े बताते हैं कि वोट शेयर और सीटों दोनों के मामले में BJP गठबंधन विपक्ष से काफी आगे है। यही कारण है कि राज्य में उसकी स्थिति मजबूत बनी हुई है। दूसरी ओर, कांग्रेस गठबंधन इस बार भी पीछे नजर आ रहा है और उसे विपक्ष की भूमिका में रहना पड़ सकता है।राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक, छोटे दलों का इस चुनाव में असर सीमित रहने की संभावना है, जिससे सीधा मुकाबला मुख्य रूप से BJP+ और कांग्रेस+ के बीच ही देखने को मिल सकता है। कुल मिलाकर, असम में इस बार चुनावी तस्वीर साफ तौर पर BJP गठबंधन के पक्ष में झुकी हुई नजर आ रही है, जहां वह अपनी सत्ता को बरकरार रखने की ओर बढ़ता दिख रहा है।

LPG नियमों में बड़ी राहत:

अब बिना एड्रेस प्रूफ के भी मिलेगा 5Kg गैस सिलेंडर

मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और सप्लाई चेन में आ रही दिक्कतों के बीच केंद्र सरकार ने आम लोगों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने 5 किलो वाले LPG सिलेंडर की बिक्री के नियमों को आसान बना दिया है। अब कोई भी व्यक्ति बिना एड्रेस प्रूफ के छोटा गैस सिलेंडर खरीद सकता है।पेट्रोलियम मंत्रालय के अनुसार, यह फैसला खास तौर पर प्रवासी मजदूरों और उन लोगों को ध्यान में रखकर लिया गया है, जिनके पास शहरों में स्थायी पता नहीं होता। नई व्यवस्था के तहत ग्राहक को केवल किसी भी एक फोटो पहचान पत्र के साथ अधिकृत डिस्ट्रीब्यूटर के पास जाना होगा और वह तुरंत सिलेंडर ले सकेगा।सरकार ने स्पष्ट किया है कि 5 किलो के फ्री ट्रेड एलपीजी (FTL) सिलेंडर के लिए अब ज्यादा दस्तावेजों की जरूरत नहीं होगी। ग्राहक आधार कार्ड, पैन कार्ड या वोटर आईडी दिखाकर आसानी से सिलेंडर खरीद सकते हैं। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के चलते ऊर्जा आपूर्ति पर असर पड़ा है, इसलिए सरकार ने छोटे सिलेंडरों की उपलब्धता बढ़ाने का भी फैसला किया है।सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, 23 मार्च से अब तक करीब 6.6 लाख छोटे सिलेंडर बेचे जा चुके हैं। केवल 4 अप्रैल को ही लगभग 90,000 सिलेंडरों की बिक्री दर्ज की गई। अधिकारियों का कहना है कि डिस्ट्रीब्यूशन सेंटरों पर फिलहाल किसी तरह की कमी नहीं है।काम के सिलसिले में दूसरे शहरों में रहने वाले लोगों की सुविधा के लिए HPCL के चुनिंदा आउटलेट्स पर 11 विशेष हेल्प डेस्क भी स्थापित की गई हैं। ये डेस्क उपभोक्ताओं को नजदीकी डिस्ट्रीब्यूटर की जानकारी देने और सिलेंडर लेने में मदद करेंगी।घरेलू गैस की मांग भी रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है। एक ही दिन में 51 लाख से अधिक घरेलू सिलेंडरों की डिलीवरी की गई, जिसमें से 95% बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से हुई। सप्लाई संतुलित बनाए रखने के लिए सरकार ने प्राथमिकताएं तय की हैं। घरेलू उपभोक्ताओं, अस्पतालों और स्कूलों को प्राथमिकता दी जा रही है। वहीं कमर्शियल गैस की सप्लाई को घटाकर 70% कर दिया गया है। उर्वरक संयंत्रों के लिए 6 अप्रैल से 90% गैस सप्लाई बहाल की जाएगी।सरकार ने लोगों को सलाह दी है कि वे हमेशा अधिकृत गैस एजेंसी से ही सिलेंडर खरीदें और सिलेंडर लेते समय उसकी एक्सपायरी डेट जरूर जांचें।

दिल्ली विधानसभा में बड़ी सुरक्षा चूक: कार ने गेट तोड़ा

सोमवार दोपहर करीब 2 बजे दिल्ली विधानसभा परिसर में एक गंभीर सुरक्षा चूक सामने आई, जब एक तेज रफ्तार कार गेट नंबर 2 को टक्कर मारते हुए अंदर घुस गई। इस घटना के बाद विधानसभा परिसर की सुरक्षा व्यवस्था को और सख्त कर दिया गया है।मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कार चला रहा शख्स मास्क पहने हुए था। गेट तोड़ने के बाद वह सीधे विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता के कार्यालय की ओर बढ़ा। वहां पहुंचकर उसने पोर्च के पास फूलों का एक बुके रखा और फिर मौके से फरार हो गया। सुरक्षाकर्मियों ने उसे पकड़ने की कोशिश की, लेकिन वह अपनी सफेद कार लेकर तेजी से भागने में सफल रहा। घटना के दौरान तैनात CRPF जवान भी उसे रोक नहीं पाए।बाद में सुरक्षा एजेंसियों ने उस बुके की जांच की, लेकिन उसमें कोई संदिग्ध वस्तु या विस्फोटक नहीं मिला। अधिकारियों ने इस घटना को बेहद गंभीर सुरक्षा चूक माना है, खासकर इसलिए क्योंकि हाल ही में बजट सत्र के दौरान विधानसभा को बम से उड़ाने की धमकी भी मिली थी।जांच में जुटी पुलिस ने कार के मालिक की पहचान कर ली है। दस्तावेजों के अनुसार, यह वाहन सरबजीत सिंह के नाम पर रजिस्टर्ड है, जो पूरनपुर तहसील का निवासी बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक, इस कार का रजिस्ट्रेशन हाल ही में 26 फरवरी 2026 को कराया गया था।फिलहाल पुलिस इस पूरे मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपी की तलाश जारी है।

हिन्दी जगत महामंच

www.tvbharatvarsh.in

भारतवर्ष

सच्ची खबर, सीधे आपके लिए

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक ई-पेपर

प्रदेश का नं. 1 प्रतिष्ठित हिन्दी न्यूज़ ई-पेपर

विज्ञापन दर

साईज	विजिटिंग कार्ड	क्वाटर पेज	हाफ पेज	फुल पेज (अंदर)	फुल पेज (कवर 2 - 3)	फुल पेज (कवर 4 - अंतिम)	(फ्रंट पेज)
रेट	₹ 3000	₹ 6000	₹ 10,000	₹ 20,000	₹ 25,000	₹ 30,000	₹ 100000

8601780000

नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के विदेश मंत्री से की शिष्टाचार मुलाकात

भारत-नेपाल व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने की साझा प्रतिबद्धता

भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने नेपाल के नवनियुक्त विदेश मंत्री शिशिर खनाल से शिष्टाचार मुलाकात की। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय संबंधों, राजनीतिक, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग पर चर्चा की। भारत और नेपाल ने साझा विकास, निवेश और रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने पर जोर दिया, साथ ही उच्चस्तरीय व्यापार कार्यक्रमों पर सहमति व्यक्त की।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने सोमवार को नेपाल के नवनियुक्त विदेश मंत्री शिशिर खनाल से शिष्टाचार मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की। शिशिर खनाल ने 27 मार्च को नेपाल के विदेश मंत्रालय में पदभार ग्रहण किया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, इस मुलाकात के दौरान श्रीवास्तव ने खनाल की नियुक्ति पर भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ओर से बधाई संदेश दिया।मुलाकात में दोनों नेताओं ने नेपाल-भारत संबंधों की मजबूती, सहयोग और साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने खनाल को उनके पदभार ग्रहण करने पर बधाई देते हुए कहा कि वे नेपाल के अपने समकक्ष के साथ मिलकर भारत और नेपाल के बीच पारंपरिक और मजबूत साझेदारी को और विकसित करने के लिए काम करने के लिए उत्सुक हैं। इस दौरान दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और रणनीतिक सहयोग के विभिन्न मुद्दों पर भी बातचीत हुई।भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव ने मुलाकात के दौरान कहा कि नेपाल और भारत के बीच सदियों पुराने रिश्ते और आपसी विश्वास पर आधारित संबंध दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग न केवल क्षेत्रीय शांति और स्थिरता के लिए आवश्यक है, बल्कि आर्थिक और व्यापारिक लाभ के लिए भी अहम है।इसी अवसर पर भारत में नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने दोनों देशों के बीच व्यापार, निवेश और आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया। शर्मा ने कहा कि दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को साझा विकास और समृद्धि के लिए सहयोग और साझेदारी के नए रास्ते तलाशने चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत-नेपाल व्यापार कार्यक्रम और विभिन्न व्यापार संवर्धन पहलों के माध्यम से यह संभव है कि दोनों देशों के उद्योग जगत और व्यापारिक नेता सार्थक नेटवर्किंग कर सकें और साझा अवसरों की पहचान कर सकें।ठाणे में आयोजित भारत-नेपाल व्यापार कार्यक्रम में प्रमुख व्यक्तियों, उद्योग जगत के नेताओं और व्यापारिक हितधारकों ने भाग लिया। आयोजकों के अनुसार, इस कार्यक्रम का उद्देश्य दोनों देशों के व्यापारिक समुदायों को एक साझा मंच पर लाना और साझेदारी और सहयोग के लिए नए अवसरों पर चर्चा करना था। मानना है कि नेपाल, भारत के लिए रणनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण देश है। दोनों देशों के नेताओं ने हमेशा इस तथ्य को महत्व दिया है कि नेपाल और भारत के बीच सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और सामाजिक रिश्ते सदियों पुराने हैं। यह साझा विरासत व्यापार, निवेश, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग के लिए मजबूत आधार प्रदान करती है। मुलाकात के अंत में दोनों नेताओं ने दोहरे दृष्टिकोण से आगे बढ़कर आपसी सहयोग बढ़ाने और साझा विकास के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया। विशेषज्ञों का मानना है कि इस तरह की उच्चस्तरीय वार्ता से दोनों देशों के बीच विश्वास और सहयोग को नई दिशा मिलेगी, जिससे क्षेत्रीय स्थिरता और आर्थिक समृद्धि में भी योगदान मिलेगा। इस बैठक ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत और नेपाल न केवल पड़ोसी हैं बल्कि रणनीतिक साझेदार भी हैं, और आने वाले समय में दोनों देशों के बीच राजनीतिक, आर्थिक और व्यापारिक सहयोग और भी मजबूत होने की संभावना है।

चंडीगढ़ के स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

चंडीगढ़ के कई प्रतिष्ठित स्कूलों में सोमवार सुबह उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब संस्थानों की आधिकारिक ईमेल आईडी पर बम से उड़ाने की धमकी भरे संदेश प्राप्त हुए। इस घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन और पुलिस विभाग तुरंत हरकत में आ गया और प्रभावित स्कूलों में व्यापक तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, सूचना मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां तुरंत संबंधित स्कूल परिसरों में पहुंचीं और सघन जांच शुरू की गई। एक स्कूल में मौजूद पुलिस अधिकारी ने बताया, "जैसे ही हमें जानकारी मिली, हम तुरंत मौके पर पहुंचे और पूरे परिसर की गहन तलाशी ली। फिलहाल अब तक कोई भी संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है। अभिभावकों और छात्रों को घबराने की जरूरत नहीं है।"एहतियात के तौर पर कई स्कूलों में छात्रों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया, जबकि कुछ जगहों पर कक्षाएं अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गईं। प्रशासन ने स्कूल प्रबंधन के साथ समन्वय बनाते हुए सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। इससे पहले पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय और कुछ स्कूलों को भी इसी तरह की धमकियां मिली थीं, जो बाद में जांच में झूठी साबित हुईं। इस ताजा मामले के बाद चंडीगढ़ पुलिस की साइबर सेल सक्रिय हो गई है और उन ईमेल आईडी की जांच कर रही है, जिनसे धमकी भरे संदेश भेजे गए। अधिकारियों का कहना है कि आईपी एड्रेस के जरिए आरोपियों का पता लगाने की कोशिश की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि इस तरह की अफवाह फैलाने और दहशत का माहौल बनाने वाले तत्वों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है और पुलिस द्वारा जांच जारी है।

पूर्व टेनिस स्टार लिएंडर पेस को

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दी एक्स श्रेणी सुरक्षा

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पूर्व भारतीय टेनिस स्टार और ओलंपिक पदक विजेता लिएंडर पेस को केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा एक्स श्रेणी की सुरक्षा प्रदान की गई है। पेस की सुरक्षा के लिए सीआईएसएफ (केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल) के जवान तैनात किए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि यह कदम ऐसे समय पर उठाया गया है जब पेस ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होकर राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय भूमिका निभानी शुरू की है। सुरक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, एक्स श्रेणी की सुरक्षा सबसे उच्च स्तर की व्यक्तिगत सुरक्षा में से एक है और इसमें व्यक्ति की लगातार सुरक्षा, उनके आवास और सार्वजनिक कार्यक्रमों में विशेष निगरानी शामिल होती है। पेस की सुरक्षा इस बात को सुनिश्चित करेगी कि वह राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में बिना किसी खतरे के भाग ले सकें।इस फैसले को विशेष रूप से इस साल होने वाले राज्य विधानसभा चुनावों के मद्देनजर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पश्चिम बंगाल सहित अन्य महत्वपूर्ण राज्यों में चुनावी गतिविधियों के दौरान पेस की भूमिका को लेकर काफी उम्मीदें हैं। अधिकारियों ने कहा कि सुरक्षा निर्णय राजनीतिक संदर्भों के साथ-साथ पूर्व एथलीट के व्यक्तिगत और सार्वजनिक महत्व को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। पेस ने हाल

ही में भारतीय जनता पार्टी में शामिल होकर अपने राजनीतिक करियर की शुरुआत की है और अब वह खेल और राजनीति दोनों क्षेत्रों में सक्रिय दिखाई दे रहे हैं। सुरक्षा के इस कदम से न केवल उनके राजनीतिक कार्यक्रमों को सुचारू रूप से आयोजित करने में मदद मिलेगी, बल्कि यह उनके समर्थकों और आम जनता के लिए भी सुरक्षा सुनिश्चित करेगा। केंद्रीय गृह मंत्रालय के इस निर्णय से यह संदेश भी जाता है कि खेल जगत के प्रतिष्ठित व्यक्तियों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जा रही है, खासकर तब जब वे राजनीतिक गतिविधियों में शामिल हों और उनकी सार्वजनिक उपस्थिति बढ़ रही हो। इसके साथ ही, सीआईएसएफ की तैनाती यह सुनिश्चित करेगी कि पेस के कार्यक्रमों में किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके।

ईरान ने अमेरिका और इजराइल को दी कड़ी चेतावनी

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच बढ़ता सैन्य तनाव अब व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष का रूप लेता नजर आ रहा है। हाल के घटनाक्रम ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है, जहां लगातार हमले और तीखी बयानबाजी से युद्ध की आशंका गहराती जा रही है। ताजा घटनाओं में इजराइल और अमेरिका के संयुक्त हमले में ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड की खुफिया इकाई के प्रमुख मेजर जनरल मजीद खादेमी के मारे जाने की खबर सामने आई है। ईरान ने इसे आतंकी कार्रवाई करार देते हुए कड़ी प्रतिक्रिया दी है, जबकि इजराइल ने स्पष्ट किया है कि वह अपने विरोधियों को निशाना बनाना जारी रखेगा।इसी बीच, लेबनान की राजधानी बेरूत के दक्षिणी हिस्से में इजराइली हमलों ने तबाही मचाई है। यह इलाका हिजबुल्लाह का गढ़ माना जाता है। वहीं ईरान के दक्षिण पार्स गैस क्षेत्र और असलुयेह स्थित पेट्रोकेमिकल संयंत्र पर भी हमलों की खबरें हैं, जिससे ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ गई है। ईरान ने भी सख्त रुख अपनाते हुए चेतावनी दी है कि किसी भी आक्रामक कार्रवाई का करारा जवाब दिया जाएगा। उप विदेश मंत्री काजेम गरीबाबादी ने अमेरिकी और इजराइली कदमों को अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन बताया। तनाव अब खाड़ी देशों तक फैल चुका है। कुवैत में मिसाइल हमले के मलबे गिरने से कई लोग घायल हुए हैं। वहीं होर्मुज जलडमरूमध्य, जो वैश्विक तेल आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, सबसे संवेदनशील मोर्चा बना हुआ है। यहां ईरान समर्थित गुटों ने तेल-गैस ठिकानों को निशाना बनाने की धमकी दी है।

ईरान के लिए जुटाए चंदे पर नया नियम

दवाइयों की खरीद तक सीमित रहेगा फंड का उपयोग

टीवी भारतवर्ष अंतर्राष्ट्रीय

कश्मीर सहित देश के विभिन्न हिस्सों से ईरान के समर्थन में जुटाए गए चंदे को लेकर अब एक नया और महत्वपूर्ण घटनाक्रम सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, भारत में एकत्रित यह धनराशि और कीमती वस्तुएं ईरान को सीधे हस्तांतरित नहीं की जा सकेंगी, बल्कि इन्हें भारत के भीतर ही निर्धारित उद्देश्यों के लिए खर्च करना होगा।बताया जा रहा है कि इस चंदे में नकद राशि के अलावा सोना, चांदी, आभूषण और घरेलू धातु के बर्तन भी शामिल थे। इस पूरे अभियान के दौरान भारत में स्थित ईरान का दूतावास ने क्यूआर कोड के माध्यम से भी दान स्वीकार किया था। हालांकि, अब सामने आई जानकारी के अनुसार, इन सभी संसाधनों का उपयोग भारत के भीतर ही सीमित दायरे में किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, ईरान को प्राप्त नकद और ऑनलाइन धनराशि का उपयोग केवल दवाइयों की खरीद के लिए किया जा सकेगा, और ये दवाइयां भी भारत से ही खरीदी जाएंगी। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है

कि धन का उपयोग पारदर्शी तरीके से हो और किसी प्रकार की अनियमितता की गुंजाइश न रहे। इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि हर लेन-देन का पूरा हिसाब रखा जा सके। इसी तरह, चंदे में मिले सोने, आभूषण और अन्य कीमती वस्तुओं को भी सीधे ईरान नहीं भेजा जा सकेगा। इन वस्तुओं को भारत के स्थानीय बैंकों में जमा कराया जाएगा, जिसके बाद उनकी कीमत के अनुसार राशि निर्धारित की जाएगी। इस प्रक्रिया से न केवल पारदर्शिता बढ़ेगी, बल्कि धन के उपयोग पर निगरानी भी संभव हो सकेगी। इस पूरे मामले में राजनयिक नियमों की भी अहम भूमिका सामने आई है। वियना कन्वेंशन के तहत विदेशी दूतावासों को बैंकिंग सुविधाएं तो प्राप्त होती हैं, लेकिन चंदा एकत्र करने और उसके उपयोग को लेकर स्पष्ट दिशा-निर्देश नहीं दिए गए हैं।

संपादक की कलम से

बढ़ती महंगाई आज एक गंभीर और ज्वलंत मुद्दा बन चुकी है। रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं—जैसे खाद्य पदार्थ, ईंधन, दवाइयाँ और शिक्षा—की कीमतों में लगातार वृद्धि ने आम आदमी की कमर तोड़ दी है। यह समस्या केवल आर्थिक नहीं, बल्कि सामाजिक और मानसिक स्तर पर भी गहरा प्रभाव डाल रही है। महंगाई का सबसे अधिक असर मध्यम और निम्न वर्ग पर पड़ता है। सीमित आय वाले परिवारों के लिए घर का बजट संभालना दिन-ब-दिन कठिन होता जा रहा है। जहाँ पहले लोग अपनी आय का कुछ हिस्सा बचत या भविष्य की योजनाओं में लगाते थे, वहीं अब अधिकांश आय आवश्यक खर्चों में ही समाप्त हो जाती है। इससे लोगों की जीवन गुणवत्ता प्रभावित हो रही है और असुरक्षा की भावना बढ़ रही है। ईंधन की बढ़ती कीमतें महंगाई को और अधिक बढ़ावा देती हैं। पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने से परिवहन महंगा हो जाता है, जिसका सीधा असर वस्तुओं की कीमतों पर पड़ता है। इसके अलावा, कृषि क्षेत्र में भी लागत बढ़ने से खाद्यान्न महंगे हो जाते हैं, जिससे आम उपभोक्ता पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। महंगाई का एक प्रमुख कारण वैश्विक परिस्थितियाँ भी हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, युद्ध, आपूर्ति श्रृंखला में बाधाएँ और प्राकृतिक आपदाएँ भी इस समस्या को बढ़ाती हैं। हालांकि, आंतरिक नीतियाँ और सरकारी निर्णय भी महंगाई को नियंत्रित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सरकार द्वारा समय-समय पर महंगाई पर नियंत्रण के लिए कदम उठाए जाते हैं, जैसे ब्याज दरों में बदलाव, सब्सिडी प्रदान करना या आवश्यक वस्तुओं की कीमतों को नियंत्रित करना। लेकिन इन उपायों का प्रभाव अक्सर सीमित या अस्थायी होता है। जरूरत इस बात की है कि दीर्घकालिक और स्थायी समाधान खोजे जाएँ। महंगाई से निपटने के लिए सरकार के साथ-साथ समाज और व्यक्तियों को भी जिम्मेदारी निभानी होगी। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देना, अनावश्यक खर्चों से बचना और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग जैसे कदम इस दिशा में सहायक हो सकते हैं। अंततः, महंगाई केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, बल्कि आम आदमी के जीवन की सच्चाई है। यदि समय रहते इस पर प्रभावी नियंत्रण नहीं किया गया, तो यह समस्या और भी विकराल रूप ले सकती है। इसलिए आवश्यक है कि सरकार, नीतिनिर्माता और नागरिक सभी मिलकर इस चुनौती का समाधान खोजें, ताकि हर व्यक्ति को सम्मानजनक और संतुलित जीवन जीने का अवसर मिल सके।

बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची पर बड़ा विवाद

सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई पर टिकी सबकी नजरें

पश्चिम बंगाल चुनाव से पहले मतदाता सूची विवाद गहराया है। सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप के बावजूद लाखों नाम हटने और अपील प्रक्रिया को लेकर अनिश्चितता बनी है। ममता बनर्जी ने केंद्र पर आरोप लगाए, जबकि विशेषज्ञों ने पुरानी सूची लागू करने का सुझाव दिया। अब अदालत के फैसले पर स्थिति निर्भर है।

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में अब केवल तीन सप्ताह का समय शेष रह गया है। ऐसे में पूरे देश की नजरें आज सुप्रीम कोर्ट में होने वाली एसआईआर (विशेष सारांश संशोधन) प्रक्रिया से जुड़ी अहम सुनवाई पर टिकी हैं। यह सुनवाई उस अंतिम तिथि के साथ मेल खाती है, जब न्यायिक अधिकारियों द्वारा संशोधित मतदाता सूची जमा की जानी है। राज्य की 294 विधानसभा सीटों के लिए मतदान दो चरणों में 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को होना है, लेकिन इस बीच मतदाता सूची को लेकर पैदा हुआ विवाद चुनावी माहौल को जटिल बना रहा है।यह पूरा घटनाक्रम 20 फरवरी को उस समय चर्चा में आया, जब सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए राज्य सरकार और भारतीय चुनाव आयोग के बीच बढ़ते अविश्वास को दूर करने का प्रयास किया। अदालत का उद्देश्य एसआईआर प्रक्रिया को पटरी पर लाना, वैध मतदाताओं के नाम हटने से रोकना और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना था। हालांकि, अदालत के हस्तक्षेप के एक महीने से अधिक समय बीत जाने के बावजूद स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के अनुसार, अंतिम एसआईआर सूची में हटाए गए करीब 60 लाख नामों में से लगभग 33 लाख मतदाताओं के नाम बहाल किए जाने की संभावना है, जबकि लगभग 27 लाख लोग मतदाता सूची से बाहर रह सकते हैं। यह आंकड़ा अब तक निपटाए गए करीब 55 लाख मामलों में लगभग 45 प्रतिशत बहिष्करण दर को दर्शाता है, जो मताधिकार से वंचित होने की गंभीर आशंका को उजागर करता है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय को 530 न्यायिक अधिकारियों की एक टीम गठित करने का निर्देश दिया था, जिसे बाद में बढ़ाकर 700 कर दिया गया। इनमें ओडिशा और झारखंड से 200 अतिरिक्त अधिकारियों को शामिल किया गया, ताकि लंबित दावों और आपत्तियों का तेजी से निपटारा किया जा सके। इन अधिकारियों को मतदाता पंजीकरण अधिकारियों की भूमिका दी गई है। इस पूरी प्रक्रिया को और जटिल बना रही है अपीलीय न्यायाधिकरण की व्यवस्था, जो निर्णय प्रक्रिया के बाद शुरू होगी। फिलहाल 19 अपीलीय न्यायाधिकरणों के कामकाज और समयसीमा को लेकर स्पष्टता का अभाव है, जिससे यह आशंका बढ़ रही है कि क्या सभी विवादों का समाधान चुनाव से पहले हो पाएगा। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो संवैधानिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। इसी बीच, मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए राष्ट्रपति शासन लगाने की आशंका जताई है और भाजपा पर चुनाव में देरी करने का आरोप लगाया है। मालदा में हाल ही में हुई एक घटना, जिसमें सात न्यायिक अधिकारियों को कई घंटों तक बंधक बनाए रखा गया, ने स्थिति को और संवेदनशील बना दिया है। वहीं, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी ने इस जटिल स्थिति का समाधान सुझाते हुए कहा है कि जन प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 के तहत पिछली वैध मतदाता सूची तब तक लागू रह सकती है, जब तक नई सूची पूरी तरह तैयार नहीं हो जाती। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि सुप्रीम कोर्ट लंबित मामलों वाले मतदाताओं को भी मतदान की अनुमति दे सकता है, बशर्ते अपीलीय प्रक्रिया समय पर पूरी हो। कुल मिलाकर, पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया के बीच मतदाता सूची को लेकर बना यह असमंजस लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए एक बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। अब देखना होगा कि सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई इस जटिल स्थिति को किस दिशा में ले जाती है।

पुडुचेरी में राहुल गांधी का बड़ा हमला, 'दिल्ली से थोपी गई सरकार' का आरोप

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

राहुल गांधी ने सोमवार को पुडुचेरी में चुनावी रैली के दौरान केंद्र सरकार और भाजपा पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि पुडुचेरी की मौजूदा सरकार जनता की इच्छा का प्रतिनिधित्व नहीं करती, बल्कि "दिल्ली से थोपी गई सरकार" है। उनके इस बयान ने चुनावी माहौल को और गरमा दिया है। पुडुचेरी के लॉस्पेट में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि भाजपा ने पुडुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वादा किया था, लेकिन अब तक इसे पूरा नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार क्षेत्र को कमजोर बनाए रखना चाहती है। साथ ही उन्होंने उद्योगपति गौतम अडानी का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा पुडुचेरी को "कुछ चुनिंदा लोगों के हित में चला रही है" और कराईकल जैसे रणनीतिक क्षेत्रों को निजी हाथों में सौंपा जा रहा है।राहुल गांधी ने राज्य प्रशासन पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि सरकारी ठेकों में 30 प्रतिशत तक कमीशन लिया जाता है और सरकार "कमीशन एजेंट" बनकर काम कर रही है। उन्होंने शराब लाइसेंस व्यवस्था और बिगड़ती कानून-व्यवस्था पर भी सवाल उठाए। इसके साथ ही कांग्रेस नेता ने जनता के लिए कई कल्याणकारी घोषणाएं भी कीं। उन्होंने वादा किया कि यदि कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनती है तो बेरोजगार युवाओं को हर महीने 2,000 रुपये की सहायता दी जाएगी और 30,000 नए रोजगार सृजित किए जाएंगे। महिलाओं के लिए मुफ्त बस यात्रा, सरकारी नौकरियों के लिए आयु सीमा बढ़ाकर 40 वर्ष करने और प्रत्येक परिवार को 20 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा देने का भी वादा किया गया। गौरतलब है कि भारत निर्वाचन आयोग के

अनुसार पुडुचेरी में मतदान 9 अप्रैल को होना है, जबकि मतगणना 4 मई को होगी। 30 सदस्यीय विधानसभा का कार्यकाल 15 जून को समाप्त हो रहा है। ऐसे में चुनाव से पहले राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है और सभी दल मतदाताओं को अपने पक्ष में करने के प्रयास में जुटे हैं।

असम चुनाव से पहले सियासी घमासान

सीएम सरमा ने कांग्रेस के आरोपों को बताया 'विदेशी साजिश'

टीवी भारतवर्ष राष्ट्रीय

असम विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान (9 अप्रैल) से ठीक पहले राज्य की राजनीति में जबरदस्त उबाल देखने को मिल रहा है। मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने अपनी पत्नी रिंकी भुइयां सरमा पर कांग्रेस द्वारा लगाए गए गंभीर वित्तीय आरोपों को पूरी तरह खारिज करते हुए इसे "विदेशी साजिश" और "पाकिस्तानी कनेक्शन" से जोड़ दिया है। इस मामले ने चुनावी माहौल को और भी गरमा दिया है, वहीं अब इस विवाद में कानूनी कार्रवाई भी शुरू हो चुकी है। दरअसल, विवाद की शुरुआत तब हुई जब कांग्रेस नेता गौरव गोगोई समेत अन्य नेताओं ने नई दिल्ली और गुवाहाटी में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मुख्यमंत्री की पत्नी पर गंभीर आरोप लगाए। कांग्रेस का दावा है कि रिंकी भुइयां सरमा के पास तीन पासपोर्ट हैं और वह अमेरिका के व्योमिंग स्थित एक कंपनी के जरिए करीब 52,000 करोड़ रुपये की संपत्ति को नियंत्रित करती हैं। इन आरोपों ने राजनीतिक हलकों में हलचल मचा दी। इन आरोपों पर तीखा पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज और सामग्री संदिग्ध हैं और इन्हें एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया नेटवर्क से प्राप्त किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि "हमारी जांच में पाया गया कि प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस्तेमाल की गई पूरी सामग्री एक पाकिस्तानी सोशल मीडिया ग्रुप द्वारा सप्लाई की गई थी।" हिमंत बिस्वा सरमा ने यह भी दावा किया कि हाल के दिनों में पाकिस्तानी मीडिया में असम चुनावों को लेकर असामान्य रूप से कई चर्चाएं हुई हैं, जिनमें कांग्रेस के पक्ष में माहौल बनाया गया। मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि पिछले 10 दिनों में पाकिस्तान में कम से कम 11 टॉक शो असम चुनावों पर केंद्रित रहे, जो इस बात की ओर इशारा करता है कि चुनावी माहौल को प्रभावित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने इसे "अभूतपूर्व" करार देते हुए गंभीर चिंता जताई। इस बीच, रिंकी भुइयां सरमा ने इन आरोपों को "मनगढ़ंत और मानहानिकारक" बताते हुए संबंधित पक्षों के खिलाफ FIR दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री ने चेतावनी दी कि चुनावों को प्रभावित करने के लिए फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि ऐसे मामलों में भारतीय न्याय संहिता (B N S) के तहत धोखाधड़ी और जालसाजी से संबंधित कड़े प्रावधान लागू हो सकते हैं, जिनमें कठोर सजा का प्रावधान है। सरमा ने कांग्रेस पर सबूत गढ़ने का आरोप लगाते हुए कहा कि विदेशों में

शेल कंपनियां बनाना बेहद आसान है और महज कुछ डॉलर में किसी के नाम पर कंपनी रजिस्टर करवाई जा सकती है। उन्होंने दोहराया कि उनकी पत्नी के खिलाफ लगाए गए सभी आरोप पूरी तरह निराधार और राजनीतिक साजिश का हिस्सा हैं।असम में मतदान से ठीक पहले उठे इस विवाद ने चुनावी माहौल को और अधिक गर्म कर दिया है, जिसका असर आगामी मतदान पर भी देखने को मिल सकता है।

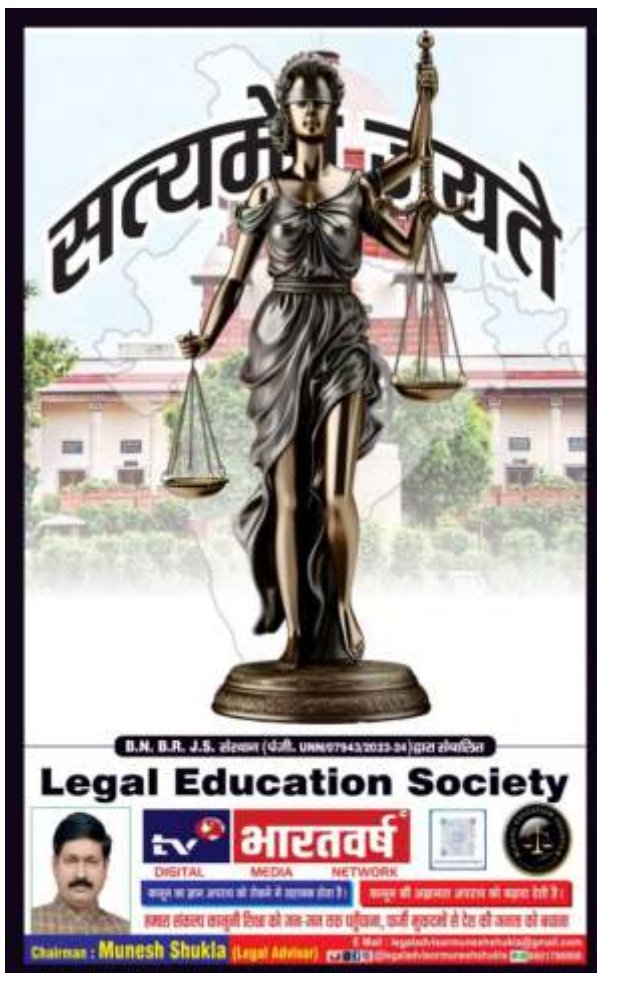

12वीं कॉमर्स के बाद करियर के कई रास्ते

इन फील्ड्स में बनाएं शानदार भविष्य

12वीं कॉमर्स के बाद करियर के विकल्प अब पहले से कहीं ज्यादा व्यापक और आकर्षक हो चुके हैं। एक समय था जब कॉमर्स स्ट्रीम के छात्रों के लिए चार्टर्ड अकाउंटेंसी (C A) या कंपनी सेक्रेटरी (C S) ही मुख्य विकल्प माने जाते थे, लेकिन बदलते दौर में अब कई नए और बेहतर अवसर सामने आए हैं। आज के समय में छात्र अपनी रुचि, स्किल और करियर गोल के अनुसार अलग-अलग फील्ड में आगे बढ़ सकते हैं और सफल भविष्य बना सकते हैं।अगर आपको नंबर, पैसों का हिसाब-किताब और फाइनेंशियल प्लानिंग में रुचि है, तो फाइनेंस और अकाउंटिंग का क्षेत्र आपके लिए बेहतरीन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप फाइनेंस एनालिस्ट, टैक्स कंसल्टेंट या इन्वेस्टमेंट एडवाइजर जैसी भूमिकाओं में काम कर सकते हैं। बड़ी कंपनियों में इन प्रोफेशनल्स की हमेशा मांग रहती है, जिससे इस सेक्टर में अच्छी सैलरी और ग्रोथ के अवसर मिलते हैं।वहीं, जिन छात्रों को लोगों से बातचीत करना, नए आइडिया प्रस्तुत करना और क्रिएटिव तरीके से काम करना पसंद है, उनके लिए मार्केटिंग और सेल्स एक शानदार विकल्प है। इस फील्ड में कम्युनिकेशन स्किल्स का बहुत महत्व होता है और मेहनत के आधार पर तेजी से करियर ग्रोथ देखने को मिलती है।अगर आप टीम के साथ काम करना पसंद करते हैं और लोगों को समझने की क्षमता रखते हैं, तो ह्यूमन रिसोर्स (HR) और मैनेजमेंट भी एक अच्छा करियर विकल्प है। इसमें कर्मचारियों की भर्ती, टीम को मैनेज करना और संगठन के कामकाज को सुचारू रूप से चलाना शामिल होता है। यह क्षेत्र स्थिरता और दीर्घकालिक ग्रोथ के लिए जाना जाता है।इसके अलावा, इंटरनेशनल बिजनेस भी एक उभरता हुआ क्षेत्र है। इसमें एक्सपोर्ट-इंपोर्ट, ग्लोबल ट्रेड और विदेशी बाजारों से जुड़े काम शामिल होते हैं। इस फील्ड में काम करने से आपको विदेश में करियर बनाने के अवसर भी मिल सकते हैं।अगर आपके अंदर उद्यमिता की भावना है और आप कुछ अपना करना चाहते हैं, तो आप खुद का बिजनेस या स्टार्टअप शुरू कर सकते हैं। आज के समय में कई युवा अपने आइडिया के दम पर सफल हो रहे हैं। हालांकि इसमें जोखिम होता है, लेकिन सफलता मिलने पर लाभ भी काफी बड़ा होता है।इसके अलावा, होटल मैनेजमेंट, ट्रैवल और टूरिज्म जैसे सेक्टर भी कॉमर्स स्टूडेंट्स के लिए अच्छे विकल्प हैं। इन क्षेत्रों में न केवल नौकरी के अवसर मिलते हैं, बल्कि खुद का व्यवसाय शुरू करने की भी संभावना रहती है।कुल मिलाकर, 12वीं कॉमर्स के बाद आपके पास कई ऐसे रास्ते हैं, जिनमें आप अपनी रुचि और क्षमता के अनुसार आगे बढ़कर एक सफल और संतोषजनक करियर बना सकते हैं।

HPRCA TGT Result 2026:

एचपीआरसीए टीजीटी आर्ट्स का रिजल्ट घोषित

यह परीक्षा 12 जनवरी 2026 से 20 जनवरी 2026 तक आयोजित की गई थी। परिणाम आयोग द्वारा अनुमोदित पुरस्कार सूचियों और निर्धारित अनुपात के अनुसार तैयार किया गया है। इन पदों के लिए कुल 44,155 आवेदन प्राप्त हुए थे, जिनमें से 38,220 उम्मीदवार परीक्षा में शामिल हुए और 5,935 अनुपस्थित रहे।आयोग ने रोल नंबर के अनुसार योग्य उम्मीदवारों को आगे की चयन प्रक्रिया और दस्तावेज सत्यापन के लिए अस्थायी रूप से चयनित किया है। इन पदों के लिए आवेदन निदेशक, प्राथमिक शिक्षा, हिमाचल प्रदेश, लालपानी, शिमला से प्राप्त हुए थे और विज्ञापन संख्या 01/2025 (30.05.2025) के माध्यम से जारी किया गया था। उम्मीदवार अब आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपनी स्थिति और आगे की प्रक्रिया की जानकारी देख सकते हैं। चयनित उम्मीदवारों का दस्तावेज सत्यापन 16 अप्रैल 2026 को सुबह 10 बजे एचपीआरसीए, हमीरपुर कार्यालय में किया जाएगा। उम्मीदवारों को मूल दस्तावेज, स्व-सत्यापित 2 सेट की कॉपी, पहचान पत्र और आवेदन पत्र की प्रिंट साथ लानी होगी। यदि कोई उम्मीदवार इस दिन उपस्थित नहीं होता, तो उसे आगे की चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जाएगा और कोई दूसरा मौका नहीं मिलेगा। सत्यापन का पूरा कार्यक्रम एचपीआरसीए की वेबसाइट पर अपलोड किया जाएगा और उम्मीदवारों को उनके ईमेल के जरिए भी जानकारी दी जाएगी।

आईपीएल छोड़ने को लेकर अश्विन का बड़ा खुलासा

ICC प्लेयर ऑफ द मंथ में

संजू सैमसन vs जसप्रीत बुमराह

हर बार की तरह इस बार भी आईसीसी ने तीन खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया है जिन्होंने पिछले महीने इंटरनेशनल क्रिकेट में दमदार खेल दिखाया। इनमें भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइज़न का नाम शामिल है। आईसीसी ने मार्च 2026 के लिए प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड की नॉमिनेशनल जारी की है। हर बार की तरह इस बार भी आईसीसी ने तीन खिलाड़ियों को नॉमिनेट किया है जिन्होंने पिछले महीने इंटरनेशनल क्रिकेट में दमदार खेल दिखाया। इनमें भारत के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन और तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साउथ अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइज़न का नाम शामिल है। मेंस कैटेगरी में संजू सैमसन और जसप्रीत बुमराह की दावेदारी नजर आ रही है। संजू सैमसन ने आईसीसी मेंस टी20 वर्ल्ड कप 2026 के सुपर 8 के आखिरी मैच और फिर सेमीफाइनल और फाइनल में दमदार खेल दिखाकर टीम को खिताब दिलाया और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड भी जीता। नाबाद 97 रन उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ बनाए थे, जबकि सेमीफाइनल में 89 रनों की पारी इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी और फाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ भी 89 रन ही बनाए थे। वहीं, जसप्रीत बुमराह ने वेस्टइंडीज के खिलाफ सुपर8 के मैच में 36 रन देकर 2 विकेट अपने नाम किया था, जिसे वर्चुअल क्वार्टर फाइनल कहा गया था। वहीं सेमीफाइनल में 33 रन देकर एक विकेट निकाला था। फाइनल में 15 रन देकर 4 विकेट अपने नाम किए थे। इस तरह उनकी दावेदारी भी मजबूत है। अब देखना ये है कि संजू सैमसन और बुमराह में से किसे प्लेयर ऑफ द मंथ का अवॉर्ड मिलता है, जबकि साउथ अफ्रीका के कॉनर एस्टरहुइजन भी इसमें शामिल हैं।

संग्राम सिंह MMA

फाइट जीतने वाले पहले भारतीय रेसलर बने

संग्राम सिंह ने ब्यूनस आयर्स के खचाखच भरे टिगरे स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम में महज एक मिनट 45 सेकंड में धराशायी किया। संग्राम सिंह ने तिबस्ली और एम्स्टर्डम में जीत के बाद एमएमए में जीत की हैट्रिक पूरी की। फ्लोरियन काउडियर के खिलाफ लड़ाई में संग्राम सिंह को कुश्ती के दांव पेंचों का काफी फायदा हुआ। संग्राम सिंह ने अपनी पहली एमएमए फाइट में पाकिस्तानी फाइटर को 90 सेकंड में हराया था। दूसरी फाइट उन्होंने दूसरे राउंड में जीती थी। वहीं जीत के बाद संग्राम ने कहा कि मेरे लिए जीत-हार कोई मायने नहीं रखती। मैं या तो जीतता हूं सीखता हूं। मैं अक्सर कहता हूं कि पैशन की कोई उम्र नहीं होती। मेरा अर्जेंटीना में फाइट जीतकर पहले भारतीय बनने का सपना साकार हुआ। संग्राम सिंह ने कहा कि वह काफी हल्का महसूस कर रहे हैं।

दिमाग का सारा बोझ दूर हो गया है। सुबह उठकर उन्होंने जल नीति की। प्रणायाम और योग किया। सूर्य देवता को जल चढ़ाया। हनुमान चालीस का पाठ किया। संग्राम सिंह ने अपनी कामयाबी का श्रेय योग और प्रणायाम को दिया। उन्होंने युवाओं से इसी अनुशासन के साथ कड़ी मेहनत करने की अपील की।

मेजबान बनकर भी बाहर होने का खतरा!

नामीबिया का वनडे वर्ल्ड कप 2027 का सपना अधर में

वनडे विश्व कप 2027 अगले साल खेला जाएगा, लेकिन इस बीच जो अपडेट आ रहे हैं, वो अपने आप में हैरान करने वाले हैं। आईसीसी वनडे विश्व कप के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ कि किसी मेजबान देश को ही टूर्नामेंट से बाहर होना पड़ा हो, लेकिन इस बार जो समीकरण बन रहे हैं, वो कुछ इसी ओर इशारा कर रहे हैं। हालांकि अभी काफी वक्त बाकी है, लेकिन खास बात ये है कि टीम को मेजबान होकर भी मेहमान जैसा संघर्ष करना पड़ रहा है और नामीबिया की जगह अभी तक वनडे विश्व कप में पक्की नहीं हो पाई है। दरअसल हमने आपको पहले भी बताया है कि अगले साल होने वाला वनडे विश्व कप की मेजबानी तीन देश मिलकर कर रहे हैं। इसमें साउथ अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया का नाम शामिल है। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे ने तो अपनी सीट पक्की कर ली है, लेकिन नामीबिया का संघर्ष अभी जारी है। साउथ अफ्रीका और जिम्बाब्वे आईसीसी के फुल मैंबर हैं, लिहाजा उन्हें डायरेक्ट एंट्री मिली है, लेकिन नामीबिया एसोसिएट मैंबर है, इसलिए उन्हें क्वालीफाई करके आना होगा। अभी जो क्वालीफायर खेले जा रहे हैं, उसमें नामीबिया की हालत बहुत पतली है। ऐसा नहीं लग रहा है कि टीम शामिल हो पाएगी, लेकिन अभी उसके लिए रास्ते बंद नहीं हुए हैं। टीम को एक और चांस मिलेगा, लेकिन अगर वो भी टीम चूकी तो फिर खेल खत्म हो जाएगा। अभी तक वनडे विश्व कप के इतिहास में कभी ऐसा नहीं हुआ है कि कोई मेजबान देश ही विश्व कप ना खेल रहा हो। नामीबिया आईसीसी का एसोसिएट मैंबर है, इसलिए उसे लीग 2 और क्वालीफायर खेलकर अपनी जगह पक्की करनी होगी। नामीबिया का हाल खराब है। लीग 2 की ताजा अंक तालिका

पर नजर डालें तो पता चलता है कि वो अभी छठे स्थान पर है। टीम ने अब तक 25 मैच खेल लिए हैं और उसमें से केवल 9 में जीत मिली है ओर 15 में हार चुकी है। यानी टीम के पास 19 अंक हैं। टीम का नेट रन रेट भी माइनस में है।

घायल बेजुबान को पीठ पर लादकर चला शख्स

पहाड़ों जैसा ऊंचा हौसला

दूर पहाड़ों के एक गांव से आया एक वीडियो इन दिनों तेजी से वायरल हो रहा है. इस वीडियो में इंसानियत की ऐसी झलक देखने को मिल रही है, जिसे देखकर लोग भावुक हो रहे हैं. यहां एक शख्स एक बेजुबान जानवर के साथ अपने रिश्ते को निभाता नजर आ रहा है.वीडियो में दिखता है कि एक आदमी संकरे और ऊबड़-खाबड़ रास्ते पर चढ़ाई कर रहा है. उसकी पीठ पर एक बड़ी टोकरी बंधी हुई है. उसी टोकरी में एक घायल आवारा कुत्ता बैठा है, जो अपने पैर की चोट के कारण चलने में पूरी तरह असमर्थ है. रास्ता इतना मुश्किल था कि वहां किसी भी तरह का वाहन पहुंच ही नहीं सकता था. पत्थरों से भरा रास्ता, टूटी सीढ़ियां और

खड़ी चढ़ाई.हर कदम पर चुनौती थी. लेकिन इस शख्स ने हार नहीं मानी. वह धीरे-धीरे कुत्ते को अपनी पीठ पर लेकर ऊपर चढ़ता रहा. उसके साथ एक और व्यक्ति भी था, जो उसे संभालते हुए रास्ता दिखा रहा था. बताया गया कि यह कुत्ता काफी समय से घायल हालत में वहीं पड़ा था और खुद से कुछ भी करने में असमर्थ था. ⊙

लाल शर्ट वाले युवक ने 'कांटा लगा' स्टेप्स से जीता दिल

पेट्रोल पंप पर युवक का डांस वायरल

सोशल मीडिया पर इन दिनों एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक पेट्रोल पंप के बीचों-बीच बेफिक्र होकर डांस करता नजर आ रहा है. यह वीडियो लोगों को खूब पसंद आ रहा है, क्योंकि इसमें युवक बिना किसी झिझक के अपने मन से डांस करता दिख रहा है. बताया जा रहा है कि यह घटना दिन के समय की है, जब पेट्रोल पंप पर रोज की तरह गाड़ियों की भीड़ लगी हुई थी. लोग अपने-अपने काम में व्यस्त थे और पेट्रोल भरवा रहे थे. तभी अचानक एक युवक, जो लाल शर्ट और साधारण पैंट पहने हुए था, वहां आकर डांस करने लगा.शुरुआत में लोगों को लगा कि शायद वह मजाक कर रहा है, लेकिन कुछ ही देर में उसका डांस काफी तेज हो

पहले भी कई लोग सार्वजनिक जगहों पर अचानक डांस करते हुए नजर आए हैं.

गया. युवक को इस बात से बिल्कुल फर्क नहीं पड़ रहा था कि आसपास कितने लोग हैं या कौन उसे देख रहा है. वह पूरी तरह अपनी ही दुनिया में खोकर नाच रहा था. उसके चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दे रही थी, जैसे उसे किसी भी बात की चिंता नहीं है. डांस के दौरान युवक ने कई मशहूर गानों पर परफॉर्म किया. कभी वह कांटा लगा गाने पर झूमता नजर आया, तो कभी घुंघरू टूट गए जैसे गानों के स्टेप्स करता दिखा. उसके स्टेप्स में आत्मविश्वास और मस्ती दोनों साफ दिखाई दे रहे थे. ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी बड़े मंच पर परफॉर्म कर रहा हो, जबकि वह एक साधारण पेट्रोल पंप पर नाच रहा था. ⊙

मसूड़ों का संक्रमण बना काल

दांत दिखवाने गया शख्स, काटने पड़ गए हाथ-पैर

डेवन वैंटरपूल नाम का एक शख्स अपने दांतों के दर्द और सूजन के नियमित चेकअप के लिए डेंटिस्ट के पास गया था. वहां जांच में पता चला कि उसके मसूड़े गंभीर रूप से सूजे हुए थे और उनसे खून बह रहा था. डेंटिस्ट के पास से आने के कुछ ही घंटों के बाद डेवन की हालत बिगड़ने लगी. उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया. कुछ ही हफ्तों बाद, उनकी स्वास्थ्य समस्याएं बेकाबू हो गईं और उनके शरीर के चार अंग काटने पड़े. डेली स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक, डेवन की पार्टनर एलिसिया वाइल्डर का कहना है कि उन्हें उसी रात बाद में पता चल गया था कि डेवन के साथ कुछ

बहुत गलत हो रहा है. शुरू में उनमें फ्लू जैसे लक्षण दिखाई दिए और जब उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ तो उन्हें दो दिन बाद इमरजेंसी वार्ड में भर्ती करना पड़ा. एलिसिया का कहना है कि तब पता चला कि डेवन सेप्टिक शॉक में चला गया है और उसके महत्वपूर्ण अंग काम करना बंद करने लगे हैं. ⊙

पहले जॉब से निकाला फिर WFH देकर काम का बोझ डाला

छंटनी के बीच टेक सेक्टर का 'जुगाड़'

टेक सेक्टर में चल रही छंटनी के बीच एक चौंकाने वाली कहानी सामने आई है. मोहाली के एक युवा टेक्नीशियन को अचानक नौकरी से निकाल दिया गया, लेकिन इसके बाद उसी कंपनी ने उसे एक अजीब सा ऑफर दे दिया. रेडिट पर शेयर की गई इस पोस्ट में टेक्नीशियन ने बताया कि 31 मार्च को कंपनी ने पूरी टीम की मीटिंग बुलाई. इस मीटिंग में बताया गया कि कंपनी के पास इस समय कोई खास प्रोजेक्ट नहीं है और पैसों की कमी के कारण वह कर्मचारियों को सैलरी नहीं दे पा रही है. इसके बाद करीब 20 लोगों की टीम से कहा गया कि वे उसी दिन को अपना लास्ट वर्किंग-डे मान लें. यह खबर सुनकर सभी कर्मचारी हैरान रह गए, क्योंकि उन्हें पहले से कोई

इस समय टेक सेक्टर में हालात काफी मुश्किल हैं. (Photo: Pexels)

जानकारी नहीं दी गई थी. अचानक नौकरी जाने से सभी लोग परेशान हो गए. लेकिन इसके बाद कंपनी ने उस टेक्नीशियन को अलग से बुलाकर एक नया ऑफर दिया. कंपनी ने कहा कि वह घर से काम (वर्क फ्रॉम होम) जारी रख सकता है और उसे हर महीने 25,000 रुपये दिए जाएंगे. यह उसकी पिछली सैलरी 23,000 रुपये से थोड़ी ज्यादा थी. हालांकि, इस ऑफर के साथ जिम्मेदारियां काफी बढ़ा दी गईं. टेक्नीशियन को कहा गया कि अगर कोई नया प्रोजेक्ट आता है, तो उसे अकेले ही पूरा काम संभालना होगा. इसमें फुल-स्टैक डेवलपमेंट और मोबाइल डेवलपमेंट दोनों शामिल होंगे. ⊙

मामला लीगल है 2 रिव्यू:जज बने वीडी त्यागी का दमदार

अंदाज़ लेकिन बिखरी कहानी ने कम किया असर

सीजन 2 की कहानी वहीं से सिरा पकड़ती है जहां पहला सीजन खत्म हुआ था, लेकिन एक बड़े उलटफेर के साथ। हमारे चहेते वकील विशेश्वर दयाल उर्फ वीडी त्यागी (रवि किशन) अब काले कोट और वकीलों की कैंटीन की राजनीति से ऊपर उठ चुके हैं। वे अब पटपड़गंज के प्रमुख जिला जज की कुर्सी पर विराजमान हैं। पटकथा का मुख्य केंद्र अब कोर्ट रूम की जिरह से हटकर जज साहब के चैंबर और उनके आंतरिक संघर्ष पर केंद्रित हो गया है। कहानी यह दिखाने की कोशिश करती है कि जब एक शातिर और जुगाड़ू वकील जज बनता है तो उसे निष्पक्षता और दोस्ती के बीच कैसी महीन रेखा खींचनी पड़ती है। वह अब अपने पुराने दोस्तों के साथ खुलकर हंस नहीं सकता, न ही उनके साथ समोसे तोड़ सकता है। दूसरी तरफ वकीलों की दुनिया में भी हलचल कम नहीं है। सुजाता दीदी (निधि बिष्ट) और लखमीर मिंटू (अंजुम बत्रा) के बीच चैंबर के आधिपत्य को लेकर एक शीतयुद्ध चल रहा है। हार्वर्ड से पढ़कर आई अनन्या श्रॉफ (नाएला ग्रेवाल) अभी भी अपने आदर्शों और भारतीय अदालतों की कड़वी हकीकत के बीच सामंजस्य बिठाने की जद्दोजहद में है। लेखकों ने इस बार कहानी के फलक को विस्तार देने के लिए कई सामाजिक मुद्दों को छूने का प्रयास किया है, जैसे पुरुषों के खिलाफ उत्पीड़न कानूनों की कमी, वैवाहिक संपत्ति के अधिकार और समलैंगिक संबंधों से जुड़ी कानूनी उलझनें। हालांकि समस्या यह है कि ये सब प्लॉट मुख्य कहानी के साथ उस तरह से नहीं मिल पाते जैसे पिछले सीजन में हुआ था। पटकथा कई जगहों पर बिखरी हुई महसूस होती है और कुछ प्रसंगों को जरूरत से ज्यादा खींच दिया गया है, जिससे कहानी की रफ्तार सुस्त पड़ जाती है। अभिनय के मोर्चे पर यह शो पूरी तरह से रवि किशन के कंधों पर टिका हुआ है। वीडी त्यागी के किरदार में उन्होंने एक बार फिर साबित किया है कि देसी अंदाज और गंभीरता का मिश्रण उनसे बेहतर कोई नहीं कर सकता। एक जज के रूप में उनकी बॉडी लैंग्वेज, उनकी आंखों की चमक और संवाद अदायगी में जो ठहराव आया है, वह काबिले तारीफ है। वे जब चुप रहकर भी किसी वकील को घूरते हैं तो उस दृश्य में एक अलग तरह का प्रभाव पैदा होता है। निधि बिष्ट ने सुजाता दीदी के रूप में अपनी कॉमिक टाइमिंग और स्क्रीन प्रेजेंस को बरकरार रखा है। उनके और अंजुम बत्रा के बीच की नोकझोंक सीरीज के कुछ हल्के-फुल्के पलों में से एक है। नाएला ग्रेवाल ने अनन्या के रूप में शानदार एक्टिंग की झलक पेश की है, हालांकि इस बार उनके किरदार को पहले जैसा 'आर्क' नहीं मिला। नई एंट्री के तौर पर कुशा कपिला ने वकील नैना अरोड़ा के रूप में एक आधुनिक और आक्रामक रुख पेश किया है। उनका आत्मविश्वास स्क्रीन पर दिखता है, लेकिन अफसोस कि उनके किरदार को गहराई देने में लेखक थोड़े कंजूस रहे।विशेष उल्लेख दिव्येंदु भट्टाचार्य का होना चाहिए, जिन्होंने अपने रहस्यमयी और शांत अभिनय से सीरीज में एक नया आयाम जोड़ा है। उनकी मौजूदगी कहानी में एक ट्विस्ट की तरह काम करती है। कैमियो रोल में दिनेश लाल यादव निरहुआ ने भी अपनी छोटी सी उपस्थिति से ध्यान खींचा है, जो पूर्वांचली दर्शकों के लिए एक बोनस की तरह है। पटपड़गंज की यह अदालत इस बार सिर्फ वीडी त्यागी के रसूख के दम पर अपनी कार्यवाही पूरी करती है।

लखनऊ में सपा विधायक का नगर निगम पर धावा

पानी, सड़क और सफाई को लेकर जोरदार हंगामा

सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा ने पार्षदों के साथ नगर निगम मुख्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया।उन्होंने पानी की किल्लत, टूटी सड़कों और गंदगी को लेकर नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया।विधायक ने 11 मांगें रखते हुए चेतावनी दी कि समस्याओं का जल्द समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन और तेज होगा।

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ मध्य विधानसभा क्षेत्र से सपा विधायक रविदास मेहरोत्रा सोमवार को अपने पार्षदों और नेताओं के साथ नगर निगम मुख्यालय पहुंच गए। यहां उन्होंने नगर निगम का घेराव करते हुए मुख्यालय परिसर के ग्राउंड फ्लोर पर बैठकर नारेबाजी करते हुए प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि पिछले कई दिनों से उनके विधानसभा क्षेत्र में पानी, सड़क और साफ-सफाई की समस्या बनी हुई है। लेकिन, नगर निगम की लापरवाही से कोई काम नहीं हो रहा है। उनके क्षेत्र में लोगों को पानी नहीं मिल रहा है और नगर निगम ने जल कर बढ़ा दिया। विधायक रविदास मेहरोत्रा ने कहा- नगर निगम क्षेत्र के अंदर बहुत नागरिक समस्याएं हैं। नगर निगम उन समस्याओं के निदान पर काम नहीं कर रहा है। जगह-जगह कूड़ा लगा है। इससे लोगों में बीमारियां फैल रही हैं। कूड़ा हटाने के बजाय उस पर टैक्स लगाया जा रहा है। लखनऊ को स्मार्ट सिटी बनाना था लेकिन यहां स्मार्ट टैक्स लगाए जा रहे हैं। पानी नहीं मिल रहा है और जल कर बढ़ा दिया गया है। सपा की राष्ट्रीय सचिव लता जायसवाल ने कहा- सरकार सबको एक नजर से नहीं देख रही है। हमारे पार्षदों को बजट नहीं दिया जा रहा है। हमारे क्षेत्रों में पानी की बहुत समस्या है। नाली खराब है, सबमर्सिबल खराब है। जो पानी आ भी रहा है, वह गंदा है। उसे पी नहीं सकते। सपा पार्षदों के पास फंड नहीं है। पार्षदों को फंड पता नहीं कब मिलता है। सरकार के पास जब भी जाओ तो यही कहा जाता है कि फंड होगा तो मिलेगा। यह फंड पता नहीं कहां रहता है। 2027 में जब अखिलेश भैया की सरकार आएगी तो हमको इनको बताएंगे। सपा प्रदेश सचिव शबनम खान ने कहा- हम लोग यहां जनता के मुद्दे लेकर आए थे। नाली भरी हुई हैं, सीवर चैंबर फुल हैं। सड़कें टूटी हुई हैं। सपा पार्षदों के वार्डों में कोई काम नहीं होता। पार्षदों के पास अपनी 2 करोड़ 10 लाख रुपए की विकास निधि होना जुमला है। कोई पार्षद निधि नहीं है। सपा पार्षदों की निधि रोक ली जाती है। निधि होती तो क्षेत्र का विकास नहीं होता क्या? कोई भी चलकर देख ले कि सपा पार्षदों के वार्डों में विकास हुआ है या नहीं?

सपा विधायक की 11 मांगें-

मध्य विधानसभा क्षेत्र के खुले नालों को दुर्घटना रोकने के लिए पूर्णतः ढका जाए।

छत्ते वाले पुल के पास सड़क जर्जर, गहरे गड्ढों से लगातार दुर्घटनाएं हो रही हैं। मरम्मत जरूरी।

17 वार्डों में लगी पानी की टंकियां खराब, तत्काल मरम्मत आवश्यक।

लगभग 8 वार्डों में स्ट्रीट लाइट नहीं, नई लाइटें शीघ्र लगें।

कई स्थानों पर पेयजल लाइनों में सीवर पानी मिलना गंभीर समस्या।

विकास कार्यों के शिलापट्टों पर विधायक का नाम अंकित किया जाए।

प्रमुख चौराहों पर जाम की समस्या के समाधान के लिए नगर निगम कार्रवाई करे।

कई सड़कों की जर्जर स्थिति से जनता में भारी आक्रोश व्याप्त।

खराब ट्यूबवेल तत्काल ठीक कराएं, नए ट्यूबवेल भी लगाए जाएं।

श्मशान घाट और कब्रिस्तान के विकास में अभाव से अंतिम संस्कार में कठिनाई हो रही है।

सफाईकर्मियों की कमी से सफाई और सीवर व्यवस्था नियमित नहीं।

एटीएस ने किया खुलासा; दरोगा-सीओ पर गिरी गाज

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में पकड़े गए संदिग्ध आतंकियों का दुबई में रहने वाले मेरठ के आकिब खान से कनेक्शन सामने आने के बाद बड़ा खुलासा हुआ है। दरअसल, पिछले साल एक बड़े केस में आकिब को बिजनौर पुलिस ने क्लीनचिट दे दी थी। पुलिस ने उसके वीडियो बयान भी लिए थे। लिखापढ़ी में एके-47 को खिलौना बता दिया था। मामले में तत्कालीन थानाध्यक्ष नांगलसोती सत्येंद्र सिंह मलिक को निलंबित कर दिया गया है। नजीबाबाद सीओ नितेश प्रताप सिंह को हटा दिया गया है। विभागीय जांच के आदेश भी दिए गए हैं। नांगलसोती थाना क्षेत्र के सौफतपुर गांव निवासी मैजुल पिछले तीन साल से साउथ अफ्रीका में रहकर सैलून का काम करता है। पिछले साल नवंबर में मैजुल की एक वीडियो वायरल हुई। इसमें वह इंस्टाग्राम पर वीडियो कॉल के जरिये चार लोगों से जुड़ा हुआ था। इस कॉल में आकिब खान ने एके-47 और हैंड ग्रेनेड का प्रदर्शन किया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो दरोगा विनोद कुमार ने 23 नवंबर 2025 को मैजुल, आकिब खान निवासी गांव सठला, मवाना, मेरठ और एक अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी।

पाकिस्तानी हैंडलर्स के ऑडियो क्लिप्स में

ब्लास्ट और नरसंहार की पूरी प्लानिंग

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

राजधानी लखनऊ में गिरफ्तार संदिग्ध आतंकियों के मोबाइल फोन से कई ऑडियो क्लिप मिली हैं। ये ऑडियो रिकॉर्डिंग पाकिस्तानी हैंडलर्स ने साकिब को भेजी थीं। विस्फोट से पहले पूरे मूवमेंट की जानकारी इन क्लिप्स में है। यही नहीं, पाकिस्तानी हैंडलर्स ने निर्देश दिए थे कि विस्फोट के बाद जो नरसंहार की स्थिति बने, उसके भी वीडियो बनाकर भेजे जाएं। एटीएस आरोपियों के मोबाइल फोन को गहनता से खंगाल रही है। लैब में भी उनकी जांच की जा रही है। सोशल मीडिया पर पाकिस्तानी हैंडलर्स कॉल पर बात करने के साथ-साथ ऑडियो रिकॉर्डिंग भी भेजते थे। इसमें वे बताते थे कि कहां रेकी करनी है, कौन टारगेट है और किस तरह से घटना को अंजाम देना है। ऐसी तमाम क्लिप्स एटीएस को मिली हैं, जो बेहद पुख्ता साक्ष्य हैं। सूत्रों के मुताबिक, हैंडलर्स ने पहली बड़ी वारदात लखनऊ में करने को कहा था। इसके बाद यूपी के अन्य शहरों- अलीगढ़, गाजियाबाद और कई धार्मिक शहर भी निशाने पर थे। साकिब ने तमाम रकम अपने खातों में ली है। इसके अलावा अपने करीबियों व गिरोह के अन्य सदस्यों के खातों में भी ट्रांसफर कराई है। जांच एजेंसी ने सभी खातों का ब्योरा संबंधित बैंकों से मांगा है। ताकि, पता चल सके कि पाकिस्तानी हैंडलर्स ने अब तक कितनी रकम मॉड्यूल को भेजी। जिन-जिन के खातों में रकम आई होगी,

उन सभी पर कार्रवाई होगी। अब तक जो तथ्य सामने आए हैं, उससे पता चला है कि साकिब व अन्य सभी कई बार लखनऊ आए थे। उन्हें अंदाजा था कि रेलवे स्टेशन पर शाम के वक्त सबसे अधिक भीड़ होती है, लिहाजा उसी दौरान ब्लास्ट कराने की साजिश रची गई थी। साकिब हर मूवमेंट की जानकारी दुबई में बैठे आकिब व अन्य पाकिस्तानी हैंडलर्स को दे रहा था।

लॉ यूनिवर्सिटी के स्विमिंग पूल में डूबा इंटर का छात्र

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के आशियाना स्थित राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी परिसर में बने स्विमिंग पूल में रविवार रात नहाने के दौरान इंटर का छात्र डूब गया। इससे उसकी मौत हो गई। घटना के समय उसका बड़ा भाई और दो अन्य युवक भी पूल में मौजूद थे। इन दोनों के सामने ही छात्र गहरे पानी में चला गया। जानकारी होने पर लाइफगार्ड ने उसे पानी से बाहर निकाला। अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। छात्र की पहचान आशियाना निवासी अमित भूषण के 17 साल का बेटा कुशाग्र भूषण के रूप में हुई। कुशाग्र अपने भाई और उसके दोस्त के साथ राम मनोहर लोहिया लॉ यूनिवर्सिटी में स्विमिंग करने गया था। परिजनों के मुताबिक, कुशाग्र ने इसी साल बोर्ड पेपर दिया था। उसके पिता अमित भूषण एक प्राइवेट कंपनी में अकाउंटेंट हैं। परिवार में मां प्रतिभा और बड़ा भाई प्रणव हैं। प्रणव ने बताया कि रविवार रात वह, कुशाग्र और मोहल्ले के स्वप्लिन और उत्कर्ष के साथ लोहिया लॉ

यूनिवर्सिटी स्थित स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। चारों ने 300 रुपए का टिकट लिया और पूल में उतर गए। इस दौरान कुशाग्र अचानक 14 फीट गहरे हिस्से में चला गया और डूबने लगा। इंस्पेक्टर आशियाना छत्रपाल सिंह ने बताया- कुशाग्र को डूबता देख वहां मौजूद लोगों ने शोर मचाया। मौके पर तैनात लाइफगार्ड तुरंत पहुंचे और कुछ ही मिनट में उसे बाहर निकाल लिया। गंभीर हालत में होने पर उसे लोकबंधु अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया।

लखनऊ में रोजगार मेले में उमड़ी युवाओं की भीड़:

सुबह से ही लगी लंबी कतार

टीवी भारतवर्ष लखनऊ

लखनऊ के अलीगंज स्थित ।T। परिसर में सोमवार को रोजगार मेला लगा। इसमें शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सुबह से ही पहुंच गए। मेले में मारुति कंपनी 500 पदों पर भर्ती करने के लिए पहुंची है। दोपहर एक बजे तक करीब 1400 से ज्यादा अभ्यर्थियों का रिटेन टेस्ट हुआ। इसमें सफल अभ्यर्थियों का कल इंटरव्यू होगा। इसके बाद फाइनल सूची जारी की जाएगी। ।T। अलीगंज के प्लेसमेंट ऑफिसर एमए खान ने बताया कि मारुति के हरियाणा प्लांट में भर्ती के लिए आज रोजगार मेला चल रहा है। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सुबह से ही कैंपस पहुंच गए थे। कुल 500 पदों पर भर्ती होनी है। दो राउंड में भर्ती होगी। आज पहले दिन रिटन टेस्ट हुआ है। चयनित अभ्यर्थियों का कल इंटरव्यू होगा फिर फाइनल लिस्ट जारी होगी। आईटीआई अलीगंज के प्रिंसिपल डॉ.राजकुमार यादव ने बताया कि मारुति के सोनीपत हरियाणा प्लांट के लिए भर्ती हो रही है। 18 से 26 आयु तक के अभ्यर्थी इसमें भाग ले रहे हैं। चयनित अभ्यर्थियों को 32 हजार प्रतिमाह की सैलरी मिलेगी। इसके अलावा एडिशनल बेनिफिट्स भी मिलेंगे। ग्राइंडर, फिटर, पेंटर, वेल्डर, ट्रैक्टर मैकेनिक, डीजल मैकेनिक, टर्नर, मशीनिस्ट, डाई मेकर, टेक्नीशियन आटोमोटिव, मैन्युफैक्चरिंग, शीट मेटल वर्कर, फाउंड्रीमैन, MMV के ट्रेड्स पर भर्ती हो रही हैं।

ईरान-इस्राइल युद्ध का यूपी पर असर-अमोनिया महंगी, कोल्ड स्टोरेज संकट में, आलू किसानों की बढ़ी चिंता!

अमेरिका-इस्राइल ईरान युद्ध का असर: युद्ध का असर पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के बाद अब कोल्ड स्टोरेज उद्योग और कृषि अर्थव्यवस्था पर साफ दिखाई देने लगा है। अमोनिया गैस की कीमत दोगुनी होने के चलते अलीगढ़ से लेकर वाराणसी तक प्रदेश के करीब 2500 कोल्ड स्टोरेज संचालन प्रभावित हो रहे हैं। इसका सबसे ज्यादा असर आलू उत्पादन वाले जिलों पर पड़ने की आशंका है। यूपी के आगरा में संचालित 327 शीतगृह में पूरे सीजन में औसतन 1.5 से दो टन अमोनिया गैस की खपत होती है। आगरा कोल्ड स्टोरेज एसोसिएशन के अध्यक्ष भुवेश अग्रवाल ने बताया कि 20 मार्च के आसपास डीलर्स के पास अमोनिया की दिक्कत थी। उस समय भाव 300 से 350 के करीब पहुंच गया था लेकिन अब अमोनिया की कोई कमी नहीं है। हालांकि सामान्य दिनों के 60 से 80 रुपये प्रति किलो के भाव के मुकाबले 100 से 130 रुपये प्रति किलो के भाव अमोनिया मिल रही है। मैनपुरी में दामों में दोगुनी वृद्धि हुई है। कोल्ड स्टोरेज संचालक पियूष चंदेल ने बताया कि आलू भंडारण के लिए एक कोल्ड स्टोरेज में एक सीजन में लगभग 1800 किलो अमोनिया गैस का प्रयोग कर लिया जाता है। जिले में 67 कोल्ड स्टोरेज संचालित हैं।कानपुर में दाम 20 फीसदी तक बढ़ गए हैं। 90-

95 रुपये प्रति किलो मिलने वाली अमोनिया गैस के दाम 109-110 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। वहीं दाम बढ़ने से कोल्ड स्टोरों के संचालन पर सीधा असर पड़ रहा है। जिससे संचालकों, सब्जी आढ़तियों और किसानों की चिंता बढ़ गई है। शहर व आसपास के जिलों में मिलाकर 100 के करीब कोल्ड स्टोर हैं। हालांकि अभी तक किराया नहीं बढ़ाया गया है। उन्नाव में गैस के लिए 110 रुपये देने पड़ रहे हैं। जिले में 24 कोल्ड स्टोरेज संचालित हैं। हालांकि जिला उद्यान अधिकारी सुरेंद्र राम भास्कर का कहना है कि अमोनिया गैस की कीमतों में बढ़ोतरी की सूचना नहीं है। अलीगढ़ में अमोनिया गैस का 60 किलो वाला सिलिंडर, जो पहले 7,200 रुपये में मिलता था, अब 15,000 रुपये तक पहुंच गया है। अचानक आई इस तेजी से संचालन लागत का पूरा गणित बिगड़ गया है। कोल्ड स्टोरेज ओनर्स एसोसिएशन अध्यक्ष गिर्राज गोदानी ने बताया कि कोल्ड स्टोरेज को उद्योग नहीं, कृषि से जुड़ी आवश्यक सेवा के रूप में देखा जाना चाहिए। बढ़ती लागत से पूरा सिस्टम प्रभावित हो रहा है।

एआई के गलत इस्तेमाल पर साक्षी महाराज की चेतावनी

फर्जी वीडियो से समाज में बढ़ रहा भ्रम

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव से सांसद साक्षी महाराज ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के बढ़ते दुरुपयोग और सोशल मीडिया पर फैल रही भ्रामक सूचनाओं को लेकर गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने आम जनता, विशेष रूप से युवाओं से अपील की है कि वे किसी भी सामग्री को बिना सत्यापन के साझा न करें और जिम्मेदार डिजिटल नागरिक की भूमिका निभाएं।सांसद साक्षी महाराज ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर साझा किए गए संदेश में कहा कि वर्तमान समय में एआई तकनीक का गलत इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि कुछ लोग भाषणों के अंशों को काटकर, वीडियो एडिटिंग और एआई टूल्स का उपयोग करके ऐसे पोस्ट, फोटो और वीडियो तैयार कर रहे हैं, जो किसी भी व्यक्ति के बयान का वास्तविक अर्थ बदल देते हैं। इससे न केवल व्यक्ति विशेष की छवि प्रभावित होती है, बल्कि समाज में भ्रम की स्थिति भी पैदा होती है।उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि इस तरह की भ्रामक और फर्जी सामग्री समाज में विवाद और आपसी वैमनस्य को जन्म दे सकती है। एआई के माध्यम से तैयार की गई फर्जी तस्वीरें और वीडियो आम लोगों को गुमराह करने का एक नया और खतरनाक माध्यम बनते जा रहे हैं, जो बेहद चिंताजनक है। उन्होंने इसे गैर-जिम्मेदाराना और निंदनीय कृत्य बताया।साक्षी महाराज ने कहा कि सोशल मीडिया एक सशक्त माध्यम है, जिसका उपयोग समाज को जोड़ने, जागरूकता फैलाने और सकारात्मक संदेश देने के लिए किया जाना चाहिए। लेकिन कुछ लोग इसका दुरुपयोग कर गलत सूचनाएं फैला रहे हैं, जो समाज के लिए नुकसानदेह है। उन्होंने विशेष रूप से लोधी समाज के युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे किसी भी पोस्ट, फोटो या वीडियो को शेयर करने से पहले उसकी सच्चाई की जांच अवश्य करें। केवल लाइक, शेयर और कमेंट की होड़ में गलत या भ्रामक जानकारी फैलाना समाज और देश दोनों के लिए हानिकारक हो सकता है। सांसद ने सर्व समाज से भी अपील की कि वे सोशल मीडिया पर आने वाली हर जानकारी को आंख बंद करके स्वीकार न करें। किसी भी संदेश को आगे बढ़ाने से पहले उसके स्रोत और तथ्यों की पुष्टि करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिम्मेदार डिजिटल व्यवहार ही सामाजिक सौहार्द, विश्वास और एकता को मजबूत बनाए रखने में मदद कर सकता है। अंत में, साक्षी महाराज ने लोगों से सजग और सतर्क रहने की अपील करते हुए कहा कि तकनीक का सही उपयोग ही समाज को प्रगति के रास्ते पर आगे बढ़ा सकता है, जबकि उसका दुरुपयोग गंभीर परिणाम ला सकता है।

उन्नाव में बाइक टक्कर से युवक की मौत

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

उन्नाव के असोहा थाना क्षेत्र में दो बाइकों की आमने-सामने की टक्कर में एक युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल युवक को जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान मोहनलालगंज के सुलसामऊ हिलगी निवासी सोहित यादव के रूप में हुई है।
जानकारी के अनुसार, यह हादसा असोहा थाना क्षेत्र के गोडियन खेड़ा और रानीपुर गांव के बीच हुआ। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक सवार सोहित यादव गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास मौजूद ग्रामीणों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही असोहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। घायल युवक को एम्बुलेंस की मदद से उन्नाव जिला अस्पताल भेजा गया, लेकिन अस्पताल पहुंचने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद सोहित यादव को मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि सोहित यादव अमौसी एयरपोर्ट क्षेत्र से हंसनापुर आए थे और वहां से अपने गांव लौट रहे थे, तभी रास्ते में यह दुर्घटना हुई। सोहित पेशे से ड्राइवर थे और निजी गाड़ियां चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। वह अपने परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य थे। मृतक अपने पीछे पत्नी और दो छोटे बच्चों को छोड़ गए हैं, जिनमें दो वर्ष की बेटी सृष्टि और एक वर्ष का बेटा सुप्रीत शामिल हैं। युवक की आकस्मिक मौत से परिवार सदमे में है। सोमवार सुबह परिजनों ने पोस्टमार्टम हाउस पहुंचकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी कराई, जिसके बाद शव का पोस्टमार्टम किया गया।

मौसम के बदले मिजाज से उन्नाव में बढ़ी बीमारियां,

अस्पताल में उमड़ी मरीजों की भीड़

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में मौसम के अचानक बदले मिजाज का असर अब लोगों की सेहत पर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। तापमान में लगातार हो रहे उतार-चढ़ाव, सुबह-शाम की हल्की ठंडक और दिन में बढ़ती गर्मी के चलते वायरल बुखार, सर्दी-जुकाम, खांसी, एलर्जी और पेट संबंधी बीमारियों के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। इसका सीधा दबाव जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है, जहां इन दिनों मरीजों की भारी भीड़ उमड़ रही है। सोमवार को जिला अस्पताल की ओपीडी में करीब साढ़े आठ सौ से अधिक मरीजों ने पंजीकरण कराया। अस्पताल खुलते ही पर्चा काउंटर पर मरीजों और उनके तीमारदारों की लंबी कतारें लग गईं। कई लोगों को पर्चा बनवाने के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ा। डॉक्टरों के कक्षों के बाहर भी पूरे दिन भीड़ बनी रही, जिससे अस्पताल परिसर में अव्यवस्था और दबाव का माहौल नजर आया। चिकित्सकों के अनुसार, इन दिनों सबसे अधिक मरीज बुखार, गले में खराश, सिर दर्द, बदन दर्द, खांसी और एलर्जी जैसी समस्याओं के साथ अस्पताल पहुंच रहे हैं। विशेष रूप से बच्चों और बुजुर्गों में संक्रमण का असर ज्यादा देखा जा रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि मौसम परिवर्तन के दौरान शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती है, जिससे वायरल संक्रमण तेजी से फैलता है। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी लैब में भी जांच कराने वालों की संख्या में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। खून की जांच के लिए मरीजों की लंबी लाइनें देखी गईं और कई लोगों को अपनी बारी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार, डेंगू, मलेरिया और टाइफाइड जैसी बीमारियों की आशंका को ध्यान में रखते हुए बड़ी संख्या में ब्लड टेस्ट कराए जा रहे हैं, ताकि समय रहते बीमारी की पहचान कर उपचार शुरू किया जा सके।सामान्य ओपीडी के अलावा ऑर्थो विभाग में भी मरीजों की संख्या में इजाफा हुआ है। ठंड और गर्मी के असर के कारण जोड़ों के दर्द, कमर दर्द और पुरानी हड्डी संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोग बड़ी संख्या में अस्पताल पहुंच रहे हैं। डॉक्टरों का कहना है कि तापमान में अचानक बदलाव का असर हड्डियों और मांसपेशियों पर पड़ता है, जिससे दर्द की शिकायत बढ़ जाती है। चिकित्सकों ने लोगों को इस मौसम में विशेष सावधानी बरतने की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि बिना डॉक्टर की सलाह के दवाइयों का सेवन न करें, साफ और उबला हुआ पानी पिएं और बाहर के अस्वच्छ भोजन से बचें। साथ ही बच्चों और बुजुर्गों का विशेष ध्यान रखें। यदि बुखार या संक्रमण के लक्षण लंबे समय तक बने रहें, तो तुरंत चिकित्सकीय परामर्श लें। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि बढ़ती मरीज संख्या को देखते हुए अतिरिक्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं, ताकि सभी मरीजों को समय पर इलाज मिल सके और किसी प्रकार की असुविधा न हो।

मलाव गांव में आग का तांडव

किसानों की सालभर की मेहनत खाक

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले के हसनगंज तहसील क्षेत्र के मलाव गांव में सोमवार दोपहर गेहूं के खेत में भीषण आग लगने से किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ा। इस आगजनी में करीब 5 से 6 बीघा खड़ी गेहूं की फसल जलकर पूरी तरह राख हो गई। घटना से प्रभावित किसानों की साल भर की मेहनत कुछ ही देर में बर्बाद हो गई, जिससे गांव में मायूसी और चिंता का माहौल है। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सोमवार दोपहर अचानक खेतों की ओर से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और तेज हवाओं के चलते आसपास के खेतों में तेजी से फैलने लगी। गेहूं की सूखी फसल होने के कारण आग ने कुछ ही समय में बड़े इलाके को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे हालात बेकाबू हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों ने तुरंत फायर ब्रिगेड को सूचना दी। हालांकि, ग्रामीणों का आरोप है कि सूचना देने के बावजूद दमकल विभाग की टीम समय पर मौके पर नहीं पहुंच सकी। ऐसे में किसानों और ग्रामीणों ने खुद ही आग बुझाने की कोशिश शुरू कर दी। उन्होंने पानी, मिट्टी और हरे पेड़ों की टहनियों की मदद से कई घंटों की मशक्कत के बाद किसी तरह आग पर काबू पाया।स्थानीय किसानों के मुताबिक, आग में करीब छह बीघा गेहूं की तैयार फसल पूरी तरह जलकर नष्ट हो गई। किसानों का कहना है कि फसल कटाई का समय नजदीक था और वे अच्छी उपज की उम्मीद कर रहे थे, लेकिन इस हादसे ने उनकी सारी उम्मीदों पर पानी फेर दिया। घटना के बाद प्रभावित किसान बेहद मायूस नजर आए। आग लगने के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। ग्रामीणों ने आशंका जताई है कि आग शॉर्ट सर्किट, किसी की लापरवाही या अन्य कारणों से लग सकती है। सूचना पर स्थानीय प्रशासन और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और नुकसान का आकलन शुरू किया। प्रशासन का कहना है कि नुकसान की रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी, जिसके बाद नियमानुसार प्रभावित किसानों को सहायता दी जाएगी। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द मुआवजा देने की मांग की है, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

उन्नाव में आंधी-बारिश का कहर—40 घंटे बिजली गुल, जनजीवन अस्त-व्यस्त

टीवी भारतवर्ष उन्नाव

जिले में आई तेज आंधी और बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया। खराब मौसम के चलते जहां एक ओर बिजली व्यवस्था चरमरा गई, वहीं दूसरी ओर सड़कों पर पेड़ गिरने से यातायात भी बाधित हो गया। कई इलाकों में करीब 40 घंटे तक बिजली आपूर्ति ठप रही, जिससे लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। जानकारी के अनुसार, तेज हवाओं के साथ हुई बारिश के कारण कई स्थानों पर बिजली के खंभे और तार क्षतिग्रस्त हो गए। इससे शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में लंबे समय तक अंधेरा पसरा रहा। लोगों को न सिर्फ गर्मी से जूझना पड़ा, बल्कि पानी की आपूर्ति भी बाधित हो गई, क्योंकि अधिकांश इलाकों में मोटर और सबमर्सिबल पंप बिजली पर निर्भर हैं।आंधी के दौरान कई जगहों पर बड़े-बड़े पेड़ सड़क पर गिर गए, जिससे मुख्य मार्गों पर यातायात ठप हो गया। राहगीरों और वाहन चालकों को घंटों जाम में फंसे रहना पड़ा। प्रशासन की टीमों ने मौके पर पहुंचकर पेड़ों को हटाने का काम शुरू किया, लेकिन खराब मौसम के कारण राहत कार्यों में भी बाधाएं आईं। बिजली विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, आंधी-बारिश से कई फीडर प्रभावित हुए हैं। तार टूटने और पोल गिरने के कारण सप्लाई बहाल करने में समय लगा। विभाग की टीमें लगातार मरम्मत कार्य में जुटी रहीं, जिसके बाद धीरे-धीरे बिजली आपूर्ति बहाल की जा सकी। हालांकि, कुछ क्षेत्रों में समस्या लंबे समय तक बनी रही।

उन्नाव में युवक का संदिग्ध हालत में मिला शव, गांव में फैली सनसनी

उन्नाव के असोहा थाना क्षेत्र में एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में गांव के बाहर पड़ा मिला है। इस घटना से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर ग्रामीणों की भीड़ मौके पर जमा हो गई, जिसके बाद पुलिस को जानकारी दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में ले लिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान 35 वर्षीय धर्मेंद्र पुत्र धुन्नर के रूप में हुई है, जो ग्राम कालू खेड़ा छीया टीकूर, थाना असोहा के निवासी थे। धर्मेंद्र अपने परिवार में सबसे बड़े थे और खेती-किसानी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे। उनके परिवार में दो छोटे भाई और दो बहनें हैं। घटना के बाद से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजनों ने बताया कि धर्मेंद्र रविवार को हमेशा की तरह बकरियां चराने गए थे और शाम को घर लौट आए थे। कुछ देर घर पर रुकने के बाद, वे किसी काम से बाहर जाने की बात कहकर निकले, लेकिन देर रात तक वापस नहीं लौटे। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन उनका कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह गांव के बाहर उनका शव संदिग्ध हालत में पड़ा मिला। ग्रामीणों ने तुरंत इसकी सूचना परिजनों और पुलिस को दी। असोहा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है, ताकि मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सके।

पत्रकारिता बने राष्ट्र सेवा का माध्यम

भ्रामक खबरों से बचें: योगी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारिता में समन्वय और नैतिक मूल्यों पर जोर देते हुए कहा कि भ्रामक खबरें जनविश्वास को नुकसान पहुंचाती हैं। उन्होंने जिम्मेदार पत्रकारिता की अपील की और बताया कि लोकतंत्र में मीडिया की अहम भूमिका है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पत्रकारिता के विभिन्न माध्यमों में समन्वय की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि एक ही तथ्य को अलग-अलग ढंग से प्रस्तुत करने से जनमानस में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है, जिससे मीडिया के प्रति लोगों का विश्वास प्रभावित होता है। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता के सभी अंगों को समान मानक, मूल्यों और आदर्शों के अनुरूप कार्य करना चाहिए, ताकि समाज में सही और संतुलित जानकारी पहुंचे।गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता को कभी बेलगाम नहीं होना चाहिए। इसे सदैव नैतिकता, मूल्यों और आदर्शों के साथ आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत में पत्रकारिता का मूल उद्देश्य राष्ट्र सेवा, समाज सेवा और 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को मजबूत करना रहा है। उन्होंने समाज को गुमराह करने वाली पत्रकारिता से बचने की भी सलाह दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सामाजिक और मुद्रित माध्यमों में खबरों की भिन्नता आम लोगों को भ्रमित करती है। लोकतंत्र संवाद पर आधारित है, जहां आलोचना को व्यक्तिगत द्वेष के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारिता समाज का आईना है और यह जनविश्वास का प्रतीक है, इसलिए सही और गलत के प्रति समान दृष्टिकोण रखना आवश्यक है।उन्होंने ऐतिहासिक संदर्भ देते हुए कहा कि महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक जैसे महान नेताओं ने पत्रकारिता को देश सेवा का माध्यम बनाया। तिलक द्वारा 1916 में लखनऊ से 'स्वराज मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है' का नारा भी पत्रकारिता के माध्यम से ही जन-जन तक पहुंचा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि पत्रकारिता ने हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए लोकतंत्र को मजबूती प्रदान की है। योगी आदित्यनाथ ने बताया कि हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत 30 मई 1826 को कोलकाता से हुई थी, जब जुगुल किशोर शुक्ल ने 'उदंत मार्तण्ड' नामक पहला हिंदी समाचार पत्र प्रकाशित किया। उन्होंने कहा कि यह 200 वर्षों की गौरवशाली यात्रा है, जो निरंतर आगे बढ़ रही है। भारतीय पत्रकारिता 'सत्यमेव जयते' की भावना से प्रेरित है और इसे हर परिस्थिति में सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार अपराध और भ्रष्टाचार के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति पर कार्य कर रही है और जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने पत्रकारों के हित में चलाई जा रही योजनाओं का उल्लेख करते हुए बताया कि मान्यता प्राप्त पत्रकारों को कैशलेस चिकित्सा सुविधा दी जा रही है, साथ ही आवासीय योजनाओं का भी लाभ दिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर और विकसित भारत के निर्माण में पत्रकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। गोरखपुर की पत्रकारिता को राष्ट्रभक्ति और सकारात्मक सोच को बढ़ावा देने वाला होना चाहिए। कार्यक्रम के दौरान गोरखपुर जर्नलिस्ट्स प्रेस क्लब की नई कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव ने पदाधिकारियों को शपथ दिलाई। ओंकार धर द्विवेदी को अध्यक्ष, धनेश कुमार को उपाध्यक्ष और पंकज श्रीवास्तव को महामंत्री बनाया गया। महेंद्र गौड़ संयुक्त मंत्री, दुर्गेश यादव कोषाध्यक्ष और संजय कुमार को पुस्तकालय मंत्री नियुक्त किए गए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पत्रकार और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने 266 ADJ सहित 711 न्यायिक अधिकारियों के तबादले किए

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के न्यायिक विभाग में बड़े स्तर पर फेरबदल करते हुए 266 अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (A D J) सहित कुल 711 न्यायिक अधिकारियों के तबादले की नई सूची जारी की है। आदेश में सभी अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे 15 अप्रैल 2026 तक अपनी वर्तमान पोस्टिंग से चार्ज सौंपकर नई तैनाती स्थल पर जिम्मेदारी संभाल लें। यह जानकारी हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल मंजीत सिंह श्योराण द्वारा रविवार को जारी अधिसूचना में दी गई है।इस बड़े प्रशासनिक फेरबदल में सबसे खास चर्चा 13 ऐसे न्यायिक जोड़ों की है, जिन्हें एक ही जिले में पोस्टिंग दी गई है ताकि वे अपने पारिवारिक जीवन को संतुलित रख सकें। इन "पति-पत्नी" जजों को साथ में स्थानांतरित कर प्रदेश में यह प्रशासनिक व्यवस्था के अनुरूप उदाहरण पेश किया गया है। इसमें आजमगढ़, गौतमबुद्ध नगर, लखनऊ, शाहजहांपुर, मुजफ्फरनगर समेत कई जिलों से जुड़े जोड़े शामिल हैं, जिन्हें उनके नए जिले में तैनात किया गया है। हाईकोर्ट प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि यह तबादला सूची न्यायिक कार्यों की गति और गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई है। सूची में अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीशों के अलावा 169 सिविल जज (सीनियर डिवीजन) और 276 जूनियर सिविल जज का भी स्थानांतरण शामिल है।

सिविल कोर्ट बना रणक्षेत्र, चचेरे भाई वकीलों में फायरिंग

लखीमपुर खीरी के सिविल कोर्ट परिसर में एक वकील ने दूसरे वकील के पेट में गोली मार दी। गोली लगते ही वह तख्त पर गिर पड़ा और परिसर में अफरा-तफरी मच गई। घायल वकील रूमाल से जख्म दबाकर कराहता रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक- गोली चलाने से पहले दोनों के बीच जमकर हाथापाई हुई थी। हालांकि, साथी वकीलों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग कर दिया था, लेकिन कुछ ही देर बाद आरोपी ने गोली चला दी। गंभीर हालत में वकील को एक पुलिसकर्मी ने बाइक पर बैठाकर इलाज के लिए 8 किलोमीटर दूर अस्पताल ले गए। आरोपी की पहचान विराट राज के रूप में हुई है, जबकि घायल वकील का नाम जितेंद्र राज है। दोनों सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं और रिश्ते में चचेरे भाई हैं। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी वकील मौके से फरार हो गया। घटना सोमवार को करीब साढ़े 12 बजे की है। वकील विराट राज और जितेंद्र राज, सिविल कोर्ट में प्रैक्टिस करते हैं। दोनों के बीच जमीन को लेकर पुरानी रंजिश थी। सोमवार करीब 12 बजे कुछ लोग जमानत के लिए एक क्लाइंट को लेकर आए थे, जो दोनों के परिचित थे। दोनों वकील उस क्लाइंट को अपनी-अपनी तरफ करना चाह रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों में विवाद हो गया।

कानपुर का किडनी स्कैम: डॉक्टर अफजल नोटों की गड्डियों पर लेटे

कानपुर में एक बड़े अवैध किडनी ट्रांसप्लांट रैकेट का पर्दाफाश पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के लिए झटका साबित हुआ है। 31 मार्च को हुई छापेमारी में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया, जिनमें मुख्य रूप से डॉक्टर, अस्पताल संचालक और दलाल शामिल हैं। इस मामले ने मीडिया और सोशल मीडिया पर भी हलचल मचा दी, खासकर उस वीडियो के कारण जिसमें आरोपी डॉक्टर अफजल नोटों की गड्डियों पर लेटे दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में अफजल बिस्तर पर रखी नकदी को उछालते और आनंदित मुद्रा में नजर आ रहे हैं, जो इस रैकेट की बड़ी रकम के लेन-देन की ओर इशारा करता है। पुलिस के अनुसार, गिरोह की कार्यप्रणाली बेहद संगठित थी। दलाल शिवम अग्रवाल के मोबाइल फोन से प्राप्त वीडियो में अन्य लोग भी शामिल थे, जो कथित रूप से हेल्थ नेटवर्क और अस्पतालों के कामकाज को दिखाते हैं। जांच में यह पता चला कि गिरोह Telegram जैसे सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म का इस्तेमाल कर आर्थिक रूप से कमजोर लोगों को निशाना बनाता था। फर्जी डॉक्टर और दलाल गरीब युवाओं को किडनी बेचने के लिए राजी कर उन्हें धोखा देते थे।जांच के दौरान यह भी सामने आया कि गिरोह मेरठ के अल्फा अस्पताल और कानपुर के अन्य निजी अस्पतालों से जुड़े थे। अफजल के अलावा डॉक्टर रोहित, डॉक्टर वैभव और डॉक्टर अनुराग जैसे कई नाम सामने आए हैं, जिनके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किए गए हैं। पुलिस ने कई अस्पतालों के लाइसेंस रद्द कर दिए हैं और Med Life Hospital को सील कर दिया गया है। प्रारंभिक अनुमान के मुताबिक, गिरोह ने 40-50 से अधिक अवैध किडनी प्रत्यारोपण किए हैं। एक मामले में बिहार का एक छात्र किडनी बेचने के लिए राजी हुआ था ताकि अपनी ट्यूशन फीस और आर्थिक समस्याओं का सामना कर सके, लेकिन उसे वादा किया गया भुगतान नहीं मिला। इस पर पुलिस ने संदिग्ध गतिविधियों की जांच शुरू की। पुलिस इस रैकेट को राज्य और राष्ट्रीय स्तर के नेटवर्क से जोड़कर देख रही है और आरोपियों की तलाश में नोएडा, मेरठ, देहरादून और अन्य शहरों में छापेमारी जारी है।